मुझे लंबे समय का आनंद कहाँ मिलेगा?

अच्छा, में आपका ध्यान मेरी और फिर से आकर्षित
करना चाहता हूँ!

और अब समय है आज रात
के बड़े प्रश्न का,

मैं आशा करता हूँ की आप इस के लिए तैयार
हैं। जो बड़ा प्रश्न हमने आज रात चुना है वह हैः

मुझे अनंत सुख कहाँ प्राप्त होगा?

अब, मैं ये नहीं सोचता की इस के लिए
किसी अति बुद्धिमान व्यक्ति की ज़रूरत है,

अगर आप आपकी स्थानीय सड़क पर
विडियो कैमरा लेकर चलें

और राह चलते लोगों से पूछे,
'क्या आप ख़ुश होना चाहते हैं?'

तो यह बताने के लिए किसी बुद्धिमान व्यक्ति की
जरूरत नहीं होगी की लोग क्या कहेंगे।

वह उत्तर होगा,
'हाँ, अजनबी व्यक्ति।'

कोई भी आपसे यह नहीं कहेगा, 'नहीं नहीं,
मैं सचमुच जीवन भर दुःखी रहना चाहता हूँ।'

परंतु, सचमुच, इस में अंतर हैं,
और अंतर यह है

सुख और आनंद पाने की चाहत
और पता होना कि उसे कहाँ खोजना है।

अब, हमने आज रात पहले ही देखा है
कि यीशु एक उत्कृष्ट दावा करते हैं

जीवन की रोटी होने का। और वह वादा करता
है की जो कोई उसके पास आता है

उसे दोबारा भूख या प्यास नहीं लगेगी।
परंतु इसका निहितार्थ यह है की

© Lee McMunn, 2011

जब तक हम यीशु को व्यक्तिगत
रीती से नहीं जानते,

जब तक हम आ कर उसे अपना अधिकार
नहीं देते, जैसे हम हैं वैसे आएँ,

अपने भूतकाल के साथ, परंतु हम
जैसे है वैसे आएँ और उसे अपना अधिकार दे दे

और व्यक्तिगत रीति से उसके पीछे हो लें,
तब भी हमें बहुत गहरे स्तर पर भूख लगेगी।

अब, मैं आप के साथ इस पर विचार करता हूँ।
इसका क्या मतलब है और क्या मतलब नहीं हैं?

क्या इसका मतलब है हम यीशु के बिना
मौज-मस्ती नहीं कर सकते है?

अच्छा, आप यीशु के पीछे चले बगैर भी
मौज-मस्ती कर सकते हैं।

परंतु हम यहाँ थोड़े-समय की मौज
के बारे में नहीं बात कर रहें हैं।

हम लंबे समय के गहरे आनंद के बारे में बात कर रहे हैं,
और यह अलग है!

और यीशु कहते हैं की अगर हम वह अनुभव लेना
चाहते हैं जिस जरूरत के लिऐ हम रचे गऐ थे

और जिस अनुभव के लिए हम रचे गए, वह है,
गहरा आनंद जो अंत समय तक होगा,

वह केवल वही हमें दे सकता है।
क्योंकि वह जीवन की रोटी है, और वह वादा करता है

की जो कोई उसके पास आता है
उसे कभी दोबारा भूख नहीं लगेगी।

तो जब तक हम व्यक्तिगत रूप से यीशु के पास नहीं आते,
हमें हमेशा भूख लगेगी।

अब, मैं नहीं जानता कि क्या आप ऐसे व्यक्ति है
जो इस बात को समझ सकते हैं।

मैं नहीं जानता यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं
जो आनंद या अर्थ या महत्व या

भरपूर, टीकाऊ, अपार प्रेम को
कहीं और पाने की कोशिश कर रहें हैं,

परंतु आप अपने, अंदर जानते हैं, जब आप
अपने जीवन के चक्के पर भागना बंद करते है,

आप गहराइयों में जानते हैं
भूख का दर्द है

क्योंकि आप अभी तक नहीं जान पाए हैं
आप क्या खोज रहे हैं।

अच्छा, अगर आप ऐसे हैं, तो मैं आपको उत्साहित करना
चाहता हूँ दूर रहने केलिए उन दो सचमुच लोकप्रीय,

परंतु बहुत अलग मार्गों से
जिन पर आप अपने जीवन को जी सकते हैं

इस पड़ाव से आगे?
वे क्या है? ठीक है, हम शुरूआत करते हैं।

यहाँ से आगे आप अपने जीवन को जी
सकते हैं अपने आप को बताते हुए

की अगले ही मोड़ पर
आप जो चाहते है उसे पाएँगे।

तो यह शायद अगली नौकरी हो सकती है,
या अगला रिश्ता,

या अगला सोफा, या अगली
खरिदारी का दौरा, या अगला....

मैं आपको नहीं जानता, परंतु आप खुद
को यह बताते रहते हैं,

'यह सिर्फ उस मोड़ के आस पास है।
मैं कुछ पा सकता हूँ

जो सचमुच मेरी ज़रूरतों को
गहरे, स्तर पर पूरा करेगा।'

परंतु यदि आप ऐसा करते हैं, यीशु कहते हैं
आप परेशान हो जाएँगे।

'आप एक से लेकर दूसरी चीज़ तक जाएँगे,
और आप सचमुच जो खोज रहें हैं

उसे कभी नहीं पाएँगे क्योंकि', यीशु कहते हैं,
'मैं हूँ जीवन की रोटी।'

अब, यह एक खतरनाक रास्ता हैं
जो आप ले सकते हैं।

अगला खतरनाक मार्ग आप ले सकते
है वह है जहाँ आप कहते हैं,

'अच्छा, मुझे नहीं लगता की वहाँ पर कुछ भी हैं।'

इन सब बातों मे कोइ दिलचस्पी नहीं है,
आप बस शांत बैठ चुके हैं।

क्या आप ऐसे व्यक्तियों को जानते हैं?
उन्होंने भिन्न भिन्न कोशिशें की है,

परंतु वे मोहभंग हो गए,
और वे सिर्फ सोचते है,

'अच्छा, यही जीवन है, यह इससे
बेहतर नहीं होने वाला।'

और आप उन्हें प्रश्न करते हैं,
और आप उनसे कहते हैं, 'आप कैसे हैं?'

और वे कहते हैं,
'मैं' अच्छा हूँ। हाँ । मैं ठीक हूँ।'

अच्छा, आपसे मेरा प्रश्न यह हैः

क्या होता अगर जीवन
केवल 'अच्छे' से बेहतर होता?

पता है, यदि जीवन केवल 'मैं ठीक हूँ'
से बेहतर हो सकता था?

मैं आपको उत्साहित करना चाहता हूँ
की आप विश्वास करें यीशु के वादे पर,

© Lee McMunn, 2011

जहाँ यीशु कहते हैं, “मैं जीवन की रोटी हूँ,
और जो कोई मेरे पास आता है

उसे फिर कभी भूख नहीं लगेगी।”

अब, यहाँ एक बढ़ियां परिमाण है भविष्य में आगे देखने के लिए।

मसिही बनना दुःख रहित नहीं है। यह
जीने के लिए कठिन मार्ग हैं।

परंतु अभी भी, यीशु कहते है, हम बहुत गहरे
स्तर पर सुख पा सकते हैं

जो अनंत तक रहेगा। अब इसका क्या मतलब नहीं हैं?

मुझे बताने दें की इसका क्या मतलब
नहीं हैं। मसीह का बनना यह नहीं है की

दूर गुफा में छिप जाना, और, सारी बत्तियाँ बंद करना,

अकेले ही बैठना टांग पर टांग रखकर
और कहना ‘अममम!’

आप जानते हैं, यह ऐसा नहीं है। यह अर्थ नहीं है

यीशु मे सुख पाने का
इसको अर्थ यह नहीं है कि हम उसके दिए हुए

उपहारों का आनंद लेना छोड़ दें,
परंतु उसका मतलब जो है वह यह हैः

इसका अर्थ है कि हम उसका आनंद ले सकते हैं,
और फ़िर उन अच्छे उपहारों

का आनंद ले जैसा की वे आनंद लेने के लिए ही
हैं। तो अगर आप अनंत सुख पाना चाहते हैं,

मैं आपको इसी के लिए उत्तेजित करना चाहूँगा
की यीशु के वादे पर विश्वास करें।

हम जैसे भी हैं आएँ और जीवन के
हर एक दिन उसके पीछे हो लें

अच्छा, अब आप अपने अपने टेबल पर इसका सार निकालें.

कुछ समय इस पर बातें करें,
और तब हम देखेंगे कि कैसे आगे बढ़ें।

© Lee McMunn, 2011

Identity – Who is God? Who are we?

© Lee McMunn, 2011

All rights reserved. Except as may be permitted by the Copyright Act, no part of this publication may be reproduced in any form or by any means without prior permission from the publisher.

Published by 10Publishing, a division of 10ofThose Limited.

All Hindi scripture quotations are taken from Hindi-O.V. © The Bible Society of India.

10Publishing, a division of 10ofthose.com
Unit 19 Common Bank Industrial Estate, Ackhurst Road, Chorley, PR7 1NH, England.
Email: info@10ofthose.com
Website: www.10ofthose.com